चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
The Tribune	30.8.22	2	7-8

WORKSHOP ON NUTRITION RESEARCH

Hisar: Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University (HAU), in collaboration with the Indian Council of Medical Research (ICMR), New Delhi, organised a workshop on capacity building of young researchers for carrying out nutrition research. Around 50 postgraduate students of HAU, Guru Jambheshwar University of Science and Technology and Lala Lajpat Rai University of Veterinary and Animal Sciences participated in this two-day workshop. Prof BR Kamboj, Vice Chancellor, HAU, was addressed as chief guest at the closing ceremony of the workshop.

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	30.8.22	4	1-4

कार्यक्रम • एचएयू में युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला में बोले वीसी

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें वैज्ञानिक

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने भी विचार रखे। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आई.सी.एम.आर. के पूर्व एडीजी डॉ. जी.के. तोतेजा और आई.सी.एम.आर. के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे।

इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हिसार | एचएयू के वीसी प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	30.8.22	3	7-8

कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को सम्मानित करते प्रो. बीआर कांबोज। संवाद

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें वैज्ञानिक : प्रो. बीआर कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

कार्यशाला में एचएयू, जीजेयू, लुवास के 50 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने लिया भाग

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की सहभागिता से कार्यशाला का आयोजन किया गया। पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में एचएयू, जीजेयू, लुवास के 50 स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि एचएयू कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। वैज्ञानिकों को एनीमिया की समस्या का समाधान खोजना चाहिए।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता, आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका बंसल ने संबोधित किया। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आईसीएमआर के पूर्व एडीजी डॉ. जीके तोतेजा, पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए नाटक प्रस्तुत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	30.8.22	10	5-8

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें वैज्ञानिक

■ हकृवि में युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हकृवि के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कार्यशाला के आयोजन में आई.सी.एम.आर. द्वारा दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा इस तरह की कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण शोध के उत्थान में काफी मददगार साबित होते हैं।

हिसार। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

डॉ. प्रियंका रही मुख्य वक्ता

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. सगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आई.सी.एम.आर. के पूर्व एडीजी डॉ. जी.के. तोतेजा और आई.सी.एम.आर. के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान शेखमेई मुख्य वक्ता रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	30.8.22	5	1-4

अनीमिया की समस्या का समाधान खोजे वैज्ञानिक: प्रो. काम्बोज

हकृवि में युवा शोधकर्त्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला संपन्न

हिसार, 29 अगस्त (विंद्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कार्यशाला के आयोजन में आई.सी.एम.आर. द्वारा दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा इस तरह की कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण शोध के उत्थान में काफी मददगार साबित होते हैं। आई.सी.एम.आर. की वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका बंसल ने कार्यशाला के दौरान की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आई.सी.एम.आर. खाद्य एवं पोषण विभाग के साथ आगे भी सहयोग करता रहेगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आई.सी.एम.आर. के पूर्व एडीजी डॉ. जी.के. तोतेजा और आई.सी.एम.आर. के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य हित के प्रासंगिक पोषण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कार्यशाला में प्रतिभागियों को उत्पादक शोध प्रस्ताव लिखने के बारे में भी बताया गया तथा उन्हे प्रयोगशाला और अनुसंधान क्षेत्र की स्थिति में हीमोग्लोबिन की विश्लेषणात्मक विधियों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	30.8.22	2	5-6

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें विज्ञानी : कुलपति काम्बोज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान की जरूरत: कुलपति

हिसार/ 29 अगस्त/ रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। हकृवि कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिएं। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कहा इस तरह की कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण शोध के उत्थान में काफी मददगार साबित होते हैं। आईसीएमआर की वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका बंसल ने कार्यशाला के दौरान की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आईसीएमआर खाद्य एवं पोषण विभाग के साथ आगे भी सहयोग करता रहेगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आईसीएमआर के पूर्व एडीजी डॉ. जीके तोतेजा और आईसीएमआर के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य हित के प्रासंगिक पोषण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कार्यशाला में प्रतिभागियों को उत्पादक शोध प्रस्ताव लिखने के बारे में भी बताया गया तथा उन्हे प्रयोगशाला और अनुसंधान क्षेत्र की स्थिति में हीमोग्लोबिन की विश्लेषणात्मक विधियों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक हिसार	30.8.2022	--	--

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजे वैज्ञानिक : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरू जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया।

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आई.सी.एम.आर. के पूर्व एडीजी डॉ. जी.के. तोतेजा और आई.सी.एम.आर. के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य हित के प्रासंगिक पोषण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कार्यशाला में प्रतिभागियों को उत्पादक शोध प्रस्ताव लिखने के बारे में भी बताया गया तथा उन्हे प्रयोगशाला और अनुसंधान क्षेत्र की स्थिति में हीमोग्लोबिन की विश्लेषणात्मक विधियों पर व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

हकृवि में युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला संपन्न

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	29.8.2022	--	--

युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला संपन्न

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, जीजेयू और लुवास के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने

कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए।

कुलपति ने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया।

गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजु महता ने कार्यशाला के आयोजन में आई.सी.एम.आर. द्वारा दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
बढ़ते कदम	29.8.2022	--	--

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजे वैज्ञानिक : कुलपति कम्बोज

■ (हि.स.)।

कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया है कि वे एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें। उन्होंने कहा कि एनीमिया एक गंभीर समस्या है, जिसका निदान अत्यंत जरूरी है। वे सोमवार को एचएयू के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला के समापन अवसर पर संबोधन दे रहे थे।

दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कुलपति ने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए।

यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया।

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आईसीएमआर के पूर्व एडीजी डॉ. जीके तोतेजा और आईसीएमआर के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. जियान गोनमेई मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दुस्थान समाचार	29.8.2022	--	--

हिसार: एनीमिया की समस्या का समाधान खोजे वैज्ञानिक : कुलपति कम्बोज

29 Aug 2022 16:16:53

हकृवि में युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला संपन्न

हिसार, 29 अगस्त (हि.स.)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने वैज्ञानिकों से आह्वान किया है कि वे एनीमिया की समस्या का समाधान खोजें। उन्होंने कहा कि एनीमिया एक गंभीर समस्या है, जिसका निदान अत्यंत जरूरी है। वे सोमवार को एचएयू के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला के समापन अवसर पर संबोधन दे रहे थे।

दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। कुलपति ने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया।

खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि कार्यशाला के दौरान आईसीएमआर के पूर्व एडीजी डॉ. जीके तोतेजा और आईसीएमआर के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका पंसल और डॉ. जियान गोलमेई मुख्य वक्ता रहे। इस अवसर पर गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय की छात्राओं ने रक्तअल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दुस्थान समाचार/रामेश्वर/संजीव

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा	29.8.2022	--	--

एनीमिया की समस्या का समाधान खोजे वैज्ञानिक : कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। (अभिनव शर्मा) चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एम.आर.), नई दिल्ली की सहभागिता से पोषण अनुसंधान करने के लिए युवा शोधकर्ताओं की क्षमता निर्माण विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस कार्यशाला में हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय (जीजेयू) और लाला लाजपतराय विश्वविद्यालय (लुवास) के लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज कार्यशाला के समापन समारोह में मुख्यातिथि रहे। उन्होंने कार्यशाला के आयोजन के लिए खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा की गई पहल की सराहना की और प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए। कुलपति ने कहा कि खाद्य एवं पोषण विभाग सामुदायिक पोषण के क्षेत्र में बहुत उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा विभाग को डायटेटिक्स के क्षेत्र में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा कोर्स शुरू करने के लिए प्रयास करने चाहिए। यह नई शिक्षा नीति की जरूरत भी है और समाज के लिए फायदेमंद भी। उन्होंने हरियाणा में एनीमिया की समस्या पर भी चर्चा की और इसका समाधान खोजे जाने पर बल दिया। उन्होंने प्रयोगशाला अनुसंधान और सामुदायिक पोषण शिक्षा दोनों को सुदृढ़ करने का आह्वान किया और प्रतिभागियों को खाद्य एवं पोषण में गहन अनुसंधान करने के लिए प्रेरित किया। गृह विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. मंजू महता ने कार्यशाला के आयोजन में आई.सी.एम.आर. द्वारा दिए गए सहयोग की प्रशंसा की। उन्होंने कहा इस तरह की कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण शोध के उत्थान में काफी मददगार साबित होते हैं। आई.सी.एम.आर. की वैज्ञानिक डॉ. प्रियंका बंसल ने कार्यशाला के दौरान की गई गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आई.सी.एम.आर. खाद्य एवं पोषण विभाग के साथ आगे भी सहयोग करता रहेगा। खाद्य एवं पोषण विभाग की अध्यक्ष डॉ. संगीता सी. सिंधु ने बताया कि आई.सी.एम.आर. के पूर्व एडीजी डॉ. वी.के. सोतेका और आई.सी.एम.आर. के पोषण विंग के वैज्ञानिक डॉ. भारती कुलकर्णी, डॉ. प्रियंका बंसल और डॉ. लिपान मीनमेई मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने राष्ट्रीय और राज्य हित के प्रासंगिक पोषण संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कार्यशाला में प्रतिभागियों को उत्पादक शोध प्रस्ताव लिखने के बारे में भी बताया गया तथा उन्हें प्रयोगशाला और अनुसंधान क्षेत्र की स्थिति में हीमोग्लोबिन की विश्लेषणात्मक विधियों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान महाविद्यालय की छात्राओं ने रक्ताल्पता को मिटाने के लिए शिक्षा की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए एक नाटक प्रस्तुत किया। नाटक का निर्देशन डॉ. उर्वशी ने किया जबकि मंच का संचालन डॉ. ज्योति सिहाग ने किया। समापन समारोह में सभी कॉलेजों के डीन, डायरेक्टर और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।